RAJYA SABHA

Thursday, the 4th March, 1999/13 *Phalguna,* 1920 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock, **Mr. Chairman,** *in the Chair.*

RE: PROCLAMATION UNDER ARTICLE 356 IN RELATION TO BIHAR

श्री मोहम्मद आज़म खान (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, आपका स्वागत है। हम चाहेंगे कि बिहार पर कुछ बात कर ली जाए।

श्री सभापति: आपने बोलना शुरू किया है **(व्यवधान)**, कृपा करके एक-एक करके मैम्बर बोलना शुरू करें। एक मैम्बर बोलेगा तो मैं सुनुंगा। आप बैठ जाइए, एक मैम्बर आपका बोलेगा ...**(व्यवधान)**

SHRI MD. SALIM (West Bengal): This is Council of States *(Interruption)*...

MR. CHAIRMAN: Please, please. One Member at a time.

श्री मोहम्मद आज़म खान: आपको होली की मुबारकबाद और इसके साथ ही यह चाहेंगे कि ...**(व्यवधान)**

SHRI E. BALANANDAN (Kerala): Sir, we have given a notice...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Let one Member speak at a time. Hhe is speaking. He has already started speaking. Then, I will allow you. That is all right.

श्री मोहम्मद आज़म खान: सबसे पहले मैं आपको और प्रधानमंत्री जी को, क्योंकि एक बड़ा कारनामा उन्होंने किया है उसके लिए उन्हें भी मुबारकबाद, आपको भी मुबारकबाद। इस खुशी के माहोल में, जबकि पूरा देश यह चाहता है कि यह मुल्क कानून से, संविधान से चले और यदि किसी के साथ कोई ज्यादती या नाइंसाफी हुई है तो पूरे देश की निगाहें लगी हुई है इस सदन पर और इस सदन के रखवाले आप पर। आप यकीकन एक ऐसा फैसला इस सदन से कराएं जिससे राजनैतिक मर्यादाएं, संवैधानिक मर्यादाएं पूरी होती हों और कानून का इस देश में मज़ाक न बने। आपको मालूम है कि लोकसभा से बिहार के सिलसिले में राबड़ी सरकार को खत्म करने का बिल पास हुआ है। यह भी विदित है कि राज्यसभा में वह बिल पास नहीं होगा। अत: आपके माध्यम से हमारी प्रधानमंत्री से, आपकी सरकार से गुजारिश है कि जो कुनबा है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री जी कहा करते थे कि कुनबे की सरकार आई थी, भानुमति के कुनबे की, लेकिन आज महाकुनबे से हमारी दरख्वास्त है, गुजारिश है, जिसके प्रधानमंत्री जी आगुआ है, जिसके मुखिया है, ऐसे दलों के भी मुखिया हैं जिनके बारे में गृहमंत्री जी ने यह भी कहा कि लीजिए साहब, अब चार-चार सदस्य वाले भी हमें धमकाने लगे। धमकी तो माननी पड़ेगी।

श्री सभापति: आपने जो सवाल करना है वह करिए।

श्री मोहम्मद आज़म खान: इसलिए मेरा आपसे कहना है कि आज सदन की कोई कार्रवाई न चलाकर बिहार पर बहस होनी चाहिए और बिहार के बारे में, प्रधानमंत्री जी यहां मौजूद हैं, चाहते हैं कि इस पर चर्चा न हो और वे बातें सदन में न आएं जिनके आने से पूरे देश में यह पता चलेगा कि क्या नाइंसाफी हुई है। चार लोग फिर मारे गए हैं, अब कौन-सी सरकार जानी चाहिए।

श्री सभापति: आपकी बात हो गई।

श्री मोहम्मद आज़म खान: मेरा कहना है कि इससे पहले कि सदन में चर्चा हो अगर प्रधानमंत्री जी चाहते हैं कि चर्चा न हो तो आप इस बात की घोषणा कर दीजिए की राबड़ी सरकार बहाल कर दी जाए।

†[ ]شری محمد اعظم خان: سبھاپتی مہودے، ویسے تو سواگت ہے لیکن ہم چاہیں گے کہ بہار پر کچھ بات کر لی جائے۔

شری سبھاپتی: آپ نے بولنا شروع کیا ہے ... "مداخلت" ... مہربانی کرکے ایک ممبر بولنا شروع کرے۔ ایک ممبر بولے گا تو میں سنوں گا۔ آپ بیٹھ جائیے ایک ممبر آپ کا بولے گا ... "مداخلت" ...[ ]

SHRI MD. SALIM: This is Council of States...*(Interruption)*...

MR. CHAIRMAN: Please, please. One Member at a time.

†[ ]Transilteration in Arabic Script

†[شری محمد اعظم خان: آپکو ہولی کی مبارکباد اور اسکے ساتھ ہی یہ چاہیں گے کہ ... "مداخلت" ...]

SHRI E. BALANANDAN: sir, we have given notice...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Let one Member speak at a time. He is speaking. He has already started speaking. Then, I will allow you. That is all right.

†[شری محمد اعظم خان: سب سے پہلے میں آپکو اور پردھان منتری جی کو، کیونکہ ایک بڑا کارنامہ انھوں نے کیا ہے اس کے لئے انھیں بھی مبارکباد۔ اس خوشی کے ماحول میں، جبکہ پورا ملک یہ چاہتا ہے کہ یہ ملک قانون سے، سنودھان سے چلے اور اگر کسی کے ساتھ زیادتی یا ناانصافی ہوئی تو اس سدن، پورے دیش کی نگاہیں اس پر لگی ہوئی ہیں۔ اس سدن پر اور اس سدن کے رکھوالے آپ پر۔ آپ یقیناً ایک ایسا فیصلہ اس سدن سے کرائیں جس سے آج تک مریادائیں سنودھان کی مریادائیں پوری ہوتی ہوں اور قانون کا اس دیش میں مذاق نہ بنے۔ آپکو معلوم ہے کہ ٹوک سمجھاسے بہار کے سلسلے میں راجڑی سرکار کو ختم کرنے کا بل پاس ہوا ہے۔ یہ بھی درست ہے کہ اجیہ سبھا میں وہ بل پاس نہیں ہوگا۔ ات ... آپکے مادھیم سے ہماری پردھان منتری جی سے، آپکی سرکار سے گزارش ہے کہ جو کنبہ ہے، جس کے بارے میں پردھان منتری جی کہا کرتے تھے کہ کنبہ کی سرکار آئی تھی، بھانومتی کے کنبہ کی۔ لیکن آج مہا کنبہ سے ہماری درخواست ہے، گزارش ہے، جسکے پردھان منتری جی اگواہ ہیں، جسکے مکھیا ہیں، ایسے دلوں کے بھی مکھیا ہیں، جن کے بارے میں گرہ منتری جی نے یہ بھی کہا کہ بیچئے صاحب اب چار چار سد سیٹ والے بھی ہمیں دھمکانے لگے۔ تو دھمکی تو مانی پڑیگی۔

شری سبھاپتی: آپ نے جو سوال کرنا ہے وہ کریئے۔

شری محمد اعظم خان: اس لئے میرا آپ سے کہنا ہے کہ آج سدن کی کوئی کارروائی نہ چلا کر بہار پر بحث ہونی چاہیئے اور بہار کے بارے میں اگر پردھان منتری جی یہاں موجود ہیں اور چاہتے ہیں کہ اس پر بحث نہ ہو اور وہ باتیں سدن میں نہ آئیں جنکے آنے سے پورے دیش میں یہ پتہ چلے گا کہ کیا ناانصافی ہوئی ہے۔ چار لوگ پھر مارے گئے ہیں، اب کون سی سرکار جانی چاہیئے؟

شری سبھاپتی: آپکی بات ہوگئی۔

شری محمد اعظم خان: میرا یہ کہنا ہے کہ اس سدن میں چرچا ہو۔ اگر پردھان منتری جی چاہتے ہیں کہ چرچا نہ ہو تو آپ

†[ ]Transilteration in Arabic Script

اس بات کی گھوشنا کردیجئے کہ ابزرویشن سرکار بحال کردی جائے۔

SHRI E. BALANANDAN: Sir, it is informed that the Government is reluctant to bring in the Bihar Resolution for discussion in this House. It has already been passed by the Lok Sabha. Normally, it should get preference in the next week's Business of the House. Therefore, we demand that the Government should make its position clear on this issue. We demand that immediately after the discussion on the Motion of Thanks is over, the discussion on the Bihar Resolution should be taken up. This is our demand.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (DR. MANMOHAN SINGH): Mr. Chairman, Sir, I am on the same point. The Lok Sabha having taken a view on the Bihar Resolution, it is imperative that the Government should bring forward this Resolution before Rajya Sabha, and they should make their intentions known to us. We have a sad experience with regard to an earlier Bill, the Prasar Bharati Bill. This Bill was passed by Lok Sabha; it had never been brought to Rajya Sabha, and the Ordinance was re-issued. We don't want that thing to be repeated. The hon. Prime Minister should assure this House that no attempt is being made by the Government to bypass Rajya Sabha. We feel that this Resolution should immediately be brought to this House.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamilnadu): Sir, after the passage of the Resolution approving the promulgation in the Lok Sabha, the Government is bound to bring it before the House. Sir, it cannot be allowed to be lapsed. That is point number one. Number two, the Government should either revoke the promulgation with regard to Bihar or bring the Resolution immediately for discussion and see what the fate of that Resolution is; otherwise, it will become a bad precedent, as in the case of Prasar Bharati. The House should not be insulted. This is our view.

SHRI J. CHITHARANJAN (Kerala) Sir, I also agree with the sentiments expressed by my other colleagues. The enforcement of proclamation of the President's rule in Bihar is a very controversial issue. I do not go into the merits of the question. The Lok Sabha has already expressed its view. Normally, it should be brought before the Rajya Sabha and the matter should be discussed here so that the Rajya Sabha can also express its view on that. It seems that the Government is reluctant to bring that before the Rajya Sabha and it is trying to avoid that. The Parliamentary Affairs Minister himself has stated that there are several options before the Government, including that of not bringing it before the Rajya Sabha. It is very unfortunate that the Parliamentary Affairs Minister has stated like this. Anyhow, this matter should be given priority.

मौलाना औबैदुल्ला खान आज़मी (बिहार) सर, सबसे पहले मैं पूरी पार्लियामेंट को, आपको, प्रधानमंत्री जी को और पार्लियामेंट के माध्यम से पूरे देश को होली की मुबारकबाद पेश करता हूं और खुदा करे लोग मुहब्बत के माहोल में रंग की ही होली खेलें। लोगों के खून से होली न खेलें। होली का त्योहार भी हमें यह मैसेज देता है कि मुहब्बत का रंग फेंका जाए, नफरत का रंग न फेंका जाए। इन्हीं जुमलों के साथ मैं यह अर्ज करना चाहूंगा कि बिहार के सिलसिले में लोकसभा ने एक बिल पास किया है और उसके बाद उसे राज्यसभा में आना है। सर, लोकसभा में राबड़ी सरकार को गिरा दिया गया है। बजूहात वहां के नरसंहार को बताया गया है। मैं जुमलों को न चबाने के लिए तैयार हूं और न दोहराने के तैयार हूं। पूरा देश जानता है कि वहां पर फिर उसी तरह से नरसंहार हो रहे हैं, जिस तरह से पीछे हुए हैं। इसलिए यह कहना कि पिछली सरकार इसके लिए जिम्मेदार थी, ठीक नहीं। यही कहकर वह सरकार गिराई गई। तो क्या आज गवर्नर राज में सेंट्रल की हुकूमत यह जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार है? अब यह कहना कि ये करवा रहे हैं और इनकी वजह से बिहार में जंगल राज है, कहां तक ठीक है? जिस जंगल राज की बात कल कही जा रही थी वह जंगल राज आज भी उनके कहने की रोशनी से साबित हो रहा है। इसकी रोशनी में मैं यह कहना चाहूंगा कि राज्यसभा में उस

बिल को आना है। उसको यहां पर फौरी तौर पर लाया जाए, इसलिए कि राज्य सभा सूबों की नुमाइन्दा सभा है और राज्य सभा में जो नुमाइन्दे आते हैं वह सूबों के रिप्रेजेंटिटिव होते हैं। मैं भी बिहार से राज्यसभा का नुमाइन्दा हूं। इसलिए मेरी गुजारिश यह है कि काम को प्रायरिटी की बुनियाद पर करना चाहिए। पूरे मुल्क में कन्फ्यूजन फैला हुआ है। वह कन्फ्यूजन पहली फुर्सत में दूर होना चाहिए और राज्यसभा... (व्यवधान)...उनका जो काम है वह अहले सियासत जाने। अपना पैगाम मुहब्बत है, जहां तक पहुंचे।

इसलिए मैं वजीरे आजम हिन्द से मुखलिसाना गुजारिश करूंगा की हालात को देखते हुए फौरी तौर पर हाउस में बिल लाया जाए और उसके बाद कोई काम लिया जाए।

†[मौलाना عبیداللہ خاں اعظمی "بہار"]:

سر - سب سے پہلے میں پوری پارٹی لیڈر کو، آپ کو، پردھان منتری جی کو اور پارٹی لیڈر کے توسط سے پورے دیش کو ہولی کی ہارد بھاد پیشن کرتا ہوں، اور خدا کرے لوگ محبت کے ماحول میں رنگ کی ہولی کھیلیں، لوگوں کے خون سے ہولی نہ کھیلیں - ہولی کا تیوہار بھی ہمیں یہ پیغام دیتا ہے کہ محبت کا رنگ پھینکا جائے، نفرت کا رنگ نہ پھینکا جائے - انہی جملوں کے ساتھ میں یہ عرض کرنا چاہتا ہوں کہ بہار کے سلسلہ میں یوپی سبھا نے ایک بل پاس کیا ہے اور اسکے بعد راجیہ سبھا میں آنا ہے - سر، یوپی سبھا میں راجیہ سرکار کو گرا دیا گیا ہے - وجوہات وہاں کے اسپیکر کو بتایا گیا ہے - میں جملوں کو نہ چبانے کے لئے تیار ہوں اور نہ دہرانے کے لئے تیار ہوں - پورا دیش جانتا ہے کہ وہاں پر کیا اسی طرح سے نرسنہار ہو رہا ہے جس طرح سے سپیچ ہوئے تھے، اسلئے یہ کہنا کہ پچھلی سرکار اسکے لئے ذمہ دار تھی، ٹھیک نہیں ہے - یہی کہکر سرکار گرائی گئی - تو کیا آج گورنر راج میں سنٹرل کی حکومت یہ ذمہ داری لینے کے لئے تیار ہے - اب یہ کہنا کہ یہ کروا رہے ہیں اور وہ کی وجہ سے بہار میں جنگل راج ہے، کہاں تک ٹھیک ہے ؟ جس جنگل راج کی بات کل کہی جا رہی تھی وہ جنگل راج آج بھی اسکے کہنے کی روشنی میں ثابت ہو رہا ہے - اسکی روشنی میں میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ راجیہ سبھا میں اس بل کو آنا ہے، اسکو یہاں پر فوری طور پر لایا جائے، اسلئے راجیہ سبھا صوبوں کی نمائندہ سبھا ہے اور راجیہ سبھا میں جو نمائندہ آتے ہیں وہ صوبوں کے نمائندہ ہوتے ہیں - میں بھی بہار سے راجیہ سبھا کا نمائندہ ہوں - اس لئے میری گزارش ہے کہ کام کو پرائرٹی کی بنیاد پر کرنا چاہئے - پورے ملک میں کنفیوژن پھیلا ہوا ہے، یہ کنفیوژن بھی فرصت میں دور ہونا چاہئے اور راجیہ سبھا..."مداخلت"....

انکا جو کام ہے وہ اہل سیاست جانیں میرا پیغام محبت ہے جہاں تک پہنچے

†[ ]Transilteration in Arabic Script

اس لئے وزیر اعلم ہوس سے مخلصانہ گزارش کروں گا کہ حالات کو دیکھتے ہوئے فوری طور پر ہاؤس میں بل لایا جائے اور اسکے بعد کوئی کام لیا جائے۔]

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, सभापति जी, जो विचार माननीय सदस्यों ने प्रकट किए हैं मैं उनसे सहमत हूं। एक बात मुझे बहुत दुख दे रही है और आश्चर्य हो रहा है कि कैबिनेट के लोग बाहर बराबर बयान दे रहे हैं कि हमारे पास तीन विकल्प खुले हुए हैं। नीतीश कुमार जी को मैंने टी० वी० पर भी देखा और अखबार में भी देखा, कुमार मंगलम जी भी एक तरह से धमकी दे रहे हैं कि हम न्यायालय में चले जायेंगे। राज्यसभा की उपेक्षा हो रही है। राज्यसभा का एक तरह से अपमान किया जा रहा है। सरकार को चाहिए कि जो संविधान में प्रावधान है कि अगर लोकसभा में उसको आपने प्रस्तुत किया है तो उसे राज्य सभा में भी लाना चाहिए, उसका पालन करे।

श्री सभापति: ठीक है।

श्री ईश दत्त यादव: फिर आप जानते हैं कि प्रधानमंत्री जी की भी कहीं एक लाइन आई थी कि हम अल्पमत में हैं। अगर आप अल्पमत में भी है तो भी आपको सदन में आना चाहिए। सदन का सम्मान होना चाहिए। बाहर रोज धमकी दे रहे हैं कि हम न्यायालय में चले जाएंगे और राज्य सभा को बाईपास कर देंगे। यह सब से ज्यादा तकलीफदेह चीज़ है और राज्य सभा का अपमान है, इसलिए मैं मांग करता हूं। **(व्यवधान)**

श्री सभापति: बस हो गया।

श्री ईश दत्त यादव: मैं यह मांग करता हूं कि इस प्रस्ताव को राज्य सभा में आज ही पेश किया जाए।

श्री रंजन प्रसाद यादव (बिहार) सभापति महोदय, विपक्ष के नेता माननीय मननीय मनमोहन सिंह जी ने अपने विचार रखे है और अन्य सदस्यों ने भी विचार रखे हैं। उनके विचारों से हम सहमत हैं **(व्यवधान)** हम आशा करते हैं आपके माध्यम से.... **(व्यवधान)** प्रधानमंत्री जी यहां उपस्थित हैं। बिहार में जो राष्ट्रपति शासन लागू किया गया, उसके अनुमोदन के लिए जो प्रस्ताव लोक सभा में रखा गया था, पास कर दिया गया, उस प्रस्ताव को अविलम्ब यहां लाया जाए।

MR. CHAIRMAN: Mr. Kumaramangalam, would you like to say something? ...(*Interruptions*)... We are on the same subject. ...(*Interruptions*)...

श्री मोहम्मद सलीम: उनके बोलने से पहले मैं एक बात कहना चाहता हूं। हाऊस सेशन में है। मंत्री महोदय बाहर स्टेटमेंट दे रहे हैं कि हम राज्य सभा में जाएंगे या नहीं, वह कानूनी मशविरा कर रहे हैं **(व्यवधान)**

[†मोहम्मद सलीम: उनके बोलने से पहले मैं एक बात कहना चाहता हूं। हाऊस सेशन में है। मंत्री महोदय बाहर स्टेटमेंट दे रहे हैं कि हम राज्य सभा में जाएंगे या नहीं, वह कानूनी मशविरा कर रहे हैं "व्यवधान"]

श्री सभापति: वह आपने कह दिया, ठीक है।

श्री मोहम्मद सलीम: यह हाऊस का अपमान है। हाऊस में पहले आ कर बताएं। (व्यवधान)

[†मोहम्मद सलीम: यह हाऊस का अपमान है। हाऊस में पहले आ कर बताएं। "व्यवधान"]

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P.R. KUMARAMANGALAM): Sir, I humbly submit to the House ... (*Interruptions*)...

श्री सभापति: सुन तो लीजिये। ...**(व्यवधान)**

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): जब वह बोलते हैं तो हम लोग डिस्टर्ब नहीं करते लेकिन वह डिस्टर्ब कर रहे हैं ... **(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Please now hear him. ...(*Interruptions*)...

SHRI P.R KUMARAMANGALAM: Sir, I may humbly submit to the House that firstly I wish to assure the House, through you, Sir, that both the constitutional requirements and political decorum will be maintained by our Government fully. ...(*Interruptions*)...

†[ ]Transilteration in Arabic Script

SHRI GURUDAS DAS (West Bengal): So generous is his Government! ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: सुन तो लीजिये। **(व्यवधान)**

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: I have not yielded. ...(*Interruptions*)... I have not yielded. ...(*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: He says this in the House that the decorum will be maintained. ...(*Interruptions*)...

श्री रामदेव भंडारी (बिहार): आप तो बाहर बोल रहे हैं **(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: The hon. Member has a right to speak. ...(*Interruptions*)...

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: I cannot speak if I am interrupted by the hon. Members ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: First you hear him, then only you comment. ...(*Interruptions*)...

SHRI MD. SALIM: The Prime Minister is here. ...(*Interruptions*)... They failed to take a decision in the cabinet heating held last night.

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Let the hon. Prime Minister say something. ...(*Interruptions*)...

श्री रामदेव भंडारी: प्रधानमंत्री जी यहां उपस्थित हैं उन्हें बोलना चाहिए ...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Please sit down. ...(*Interruptions*)... Please sit down when I am standing. ...(*Interruptions*)... The hon. Minister for Parliamentary Affairs is dealing with this subject. ...(*Interruptions*)... He is going to reply. ...(*Interruptions*)... Please hear him. ...(*Interruptions*)...

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Sir, I wish to clarify that a senior Member did say 'great generosity'. I wish to clarify that this was in response to a senior Member of this House appealing that political decorum and constitutional provisions must be adhered to. It was only in response to that. It is not a *suo motu* reaction. It is not as it I am saying something exceptional. I will assure the hon. Members that under no circumstances will our Government ever go against the constitutional provisions or what is normally called the political decorum. I wish to assure the House ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Please hear him. ...(*Interruptions*)...

SHRI MD. SALIM: What about the Prasar Bharati? ...(*Interruptions*)...

SHRI NILOTPAL BASU: At that time, he was not the Minister for Parliamentary Affairs. ...(*Interruptions*)...

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: I cannot make my statement if they go on interrupting like this. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Please let him speak now. ...(*Interruptions*)...

सुन तो लीजिये। **(व्यवधान)** आपकी बात उन्होंने सुनी, आप भी सुनिये **(व्यवधान)**

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Sir, I am grateful. ...(*Interruptions*)... Sir, the Resolution for approval of the Proclamation under article 356 in relation to the State of Bihar was brought before the Lok Sabha. The Lok Sabha debated and approved it. Sir, I have categorically said earlier and I wish to reply now that at the moment the House is seized of a discussion on the Motion of Thanks to the President's Address. It has been a usual procedure and a well-known practice in this House that when such a discussion is on, nothing is brought in between till it is completed. It is expected to be completed on the 8th. And on the 8th, we shall difinitely inform the House as to what our steps are. Let me make it very clear that we will not do anything which is not Constitutionally, legally and propriety-wise, called for. It will be completely adhered to. And on the 8th, by the time the Motion of Thanks on the President's Address is taken up, we will inform the House as to what exactly are the steps we are taking and what we will do. Nothing will be kept away from the

knowledge of the House ...(*Interruptions*)...

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Sir, the hon. Minister of Parliamentary Affairs has not given us any assurance ...(*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, I have a clarification ...(*Interruptions*)... I want a clarification from the hon. Prime Minister ...(*Interruptions*)... Today's newspapers are full of reports that the Cabinet has failed to take a decision yesterday. The Cabinet's deliberations have appeared in the newspapers ...(*Interruptions*)... We are not informed ...(*Interruptions*)... I would like to know from the hon. Prime Minister whether it is true that the Government is considering not to bring this Resolution for ratification in the Rajya Sabha. I would like the hon. Prime Minister to respond to this ...(*Interruptions*)...

श्री रामदेव भंडारी: सारा काम छोड़कर बिहार के मामले पर बहस करायी जाए **(व्यवधान)**

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, yesterday, the hon. Prime Minister has authorised the hon. Minister of Information and Broadcasting ...(*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I would like to know as to what has happened in the Cabinet ...(*Interruptions*)... Sir, we would like to know as to what has happened yesterday in the Cabinet ...(*Interruptions*)...

श्री रामदेव भंडारी: संसदीय मामलों के मंत्री सदन को गुमराह कर रहे है ...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: After what the Minister has said, have you anything more to say? ...(*Interruptions*)...

SHRI S.R. BOMMAI (Karnataka): Sir, there is a Constitutional obligation that when a proclamation is passed in the other House, it should be brought before this House also. Both the Houses will have to approve it to make it valid. That is the ruling of the Supreme Court. In the Business Advisory Committee, we have discussed twice and the hon. Minister of parliamentary Affairs assured that as soon as it is passed in the Lok Sabha, it will be brought before the Rajya Sabha ...(*Interruptions*)...

श्री रामदेव भंडारी: ऐसा बिजिनेस एडवाइजरी कमेटी में उन्होंने कहा था ...**(व्यवधान)**

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Yes. He has assured ...(*Interruptions*)... He assured that when it is passed in the Lok Sabha, it will be brought before the Rajya Sabha ...(*Interruptions*)... We want a categorical assurance from the hon Minister ...(*Interruptions*)... We want to see the fate of that Resolution in the Rajya Sabha ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Let him clarify ...(*Interruptions*)... Mr. Malhoutra, why are you standing? ...(*Interruptions*)... He is not yielding ...(*Interruptions*)...

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: If I may clarify the point, Sir, I never said that as soon as the Resolution was passed in the Lok Sabha, it will be brought before the Rajya Sabha ...(*Interruptions*)... I said that I can only think about bringing it here and ...(*Interruptions*)...

श्री रामदेव भंडारी: नहीं आपने ऐसा नहीं कहा। आपने कहा था कि जैसे ही लोक सभा में हो जाएगा, राज्य सभा से लाउंगा ...**(व्यवधान)** आपको इसको राज्य सभा में लाना चाहिए। ...**(व्यवधान)** आज ही इस मैटर को राज्य सभा में लाना चाहिए था **(व्यवधान)**

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: The hon. Minister of Parliamentary Affairs has given an assurance to this House ...(*Interruptions*)... We want an assurance from the hon. Minister ...(*Interruptions*)...

SHRI MD. SALIM: What is the opinion of the Cabinet? ...(*Interruptions*)... Is it the opinion of the Cabinet? ...(*Interruptions*)... Let him come out ...(*Interruptions*)... Sir, the Rajya Sabha is the Council of States ...(*Interruptions*)... We are a federal country ...(*Interruptions*)... We have every right to know ...(*Interruptions*)...

श्री रामदेव भंडारी: सरकार के मंत्री अलग-अलग बयान देते हैं। हाउस के बाहर कुछ बोलते हैं यहां कुछ बोलते हैं। ये देश को गुमराह कर रहे है ...(**व्यवधान**)

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, let the Prime Minister say something. ...(*Interruptions*)...

SHRI MD. SALIM: Sir, we want an assurance from this Government. They had given an assurance, but they have forgotten it for their convenience. Everytime ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, please sit down. Let the Leader of the House speak ...(*Interruptions*)... You have already spoken. Let the Leader of the House speak.

...(*Interruptions*)...

सदन के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): जनाब चेयरमैन साहब, मैं सिर्फ यह कहना चाह रहा था कि बिजनैस एडवाइज़री कमेटी में जो फैसले हुए थे वे आनरेबल मैम्बर्स को सर्कुलेट हो चुके हैं। 8 तारीख तक का बिज़नैस तो तय है। उसके बाद यह सवाल उठे, जो उठ रहा है। 8 तारीख के बाद यह सवाल उठाये। ....(**व्यवधान**)

ا[نیتا سدن "شری سکندر بخت":
جناب چیئرمین صاحب - میں صرف یہ کہنا
چاہتا ہوں کہ بزنس ایڈوائزری کمیٹی
میں جو فیصلے ہوئے تھے وہ آنریبل
ممبرس کو سرکلیٹ ہو چکے ہیں - ۸ تاریخ
تک تو بزنس طے ہے - اسکے بعد یہ سوال
اٹھے جو اٹھ رہا ہے ۸ تاریخ کے بعد یہ سوال
اٹھائیں ... "مداخلت" ...]

श्री रामदेव भंडारी: महोदय ....(**व्यवधान**) संसदीय मंत्री ने कहा था कि जब लोक सभा में पूरा हो जाएगा उसके बाद राज्य सभा में लाया जाएगा ....(**व्यवधान**)

SHRI MD. SALIM: Sir, we were not referring to this at all. ...(*Interruptions*)... This is a document for the discussion in the BAC, which the hon. Leader of the House is referring to. Normally, we do not refer to ...(*Interruptions*)... It is a draft from the Government. On Bihar it says, "In the event of the matter being taken up ..."(*Interruptions*)... It is not clear whether they intend to discuss this matter or not. ...(*Interruptions*)... They have put it that "If the matter is taken up." The Rajya Sabha cannot function like this. We are the custodians of the Constitution. We are the Council of States ...(*Interruptions*)... We have to ...(*Interruptions*)...

AN HON. MEMBER: I am on a point of order, Sir. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: No, everybody is on a point of order. ...(*Interruptions*)...

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal): Sir, we have listened to the observations made by the hon. Minister of Parliamentary Affairs. He has informed the House that he will let us know on 8th March as to what they are going to do, so far as the question of seeking approval for the proclamation is concerned. In this connection, I would like to draw the attention of the hon. Minister to only one point, which is a constitutional point. The Government must take note of the fact that the House is going to be adjourned on 18th March. In Bihar, there is no executive, there is no Government. The Assembly is in suspended animation. The financial business of Bihar is to be transacted and it is to be transacted by this Parliament itself. Therefore, if the Government contemplates that they will bring the financial business for the consideration of the House, before seeking the approval for the Presidential proclamation, I would like to submit for your kind consideration that it will, thus, be placing the cart before the horse. I will request the hon. Prime Minister and his colleagues to keep in view the constitutional properiety and the constitutional requirements. *(Interruptions)*

ا[ ]Transilteration in Arabic Script

SHRI JANARDHANA POOJARI (Karnataka): Sir, I am on a point of order.

MR. CHAIRMAN: What is the point of order?

SHRI JANARDHANA POOJARI: Sir, I am drawing your attention to rule 258(2) and 259. (*Interruptions*)

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Sir, I am on a point of order.

MR. CHAIRMAN: He is already raising a point of order. (*Interruptions*). You are also raising a point of order...(*Interruptions*)...

SHRI JANARDHANA POOJARI: Then, Sir, Article 356, sub-section 3, says, "Every Proclamation made under this article shall be laid before each House of Parliament and should be declared as approved". The question before this House is this. There is confusion everywhere in the country, whether in the media, whether in Bihar State or whether in the entire country, there is confusion, created not by the hon'ble Members of the House, it is created by the Government, Treasury Benches, their Ministers. ...(*Interruptions*)...Now, the confusion is that it is not going to be placed before this House. It is very clear. Now, Sir, you are the custodian of the Council of States. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Let me hear his point of order.

SHRI JANARDHANA POOJARI: Now, Sir, here the Members are all representing the States. It is concerning the interest of the States. You are the custodian of the interest of the States. Now, the question is very serious. They want to flout the provisions of the Constitution. The confusion is very clear. Here the Prime Minister talks about values ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Let me hear what his point of order is. ...(*Interruptions*)...What is your point of order?

SHRI JANARDHANA POOJARI: The point of order is, it is for you to tell them to place before the House the Proclamation and ask the Prime Minister to clear the confusion. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Please let me deal with his point of order. According to this, "Every Proclamation under this Article shall be laid on the Table of each House of Parliament". May I say, if the hon'ble Members remember, this was laid on the Table of the House on the very first day. So, the Government has not contravened any provision of the Constitution. This is number one. ...(*Interruptions*)...Please now let me say. The Lok Sabha has passed the Resolution. The hon'ble Minister of Parliamentary Affairs has said, "We are considering. As a matter of fact, it was decided that this Proclamation, whenever it comes, has to be, after the discussion on the President's Address in the House has been completed." ...(*Interruptions*)...Please let me complete. ...(*Interruptions*)...You don't want to hear me, only I should hear you! So, the hon'ble Minister has said that even if it is to be taken up, whatever is to be taken up, it has to be done after the debate on the President's Address is over. ...(*Interruptions*)... Why are you in a hurry? You have no patience to listen to me. So, the question is this. On this, the hon'ble Minister has said that he will come before the House for discussion on the Proclamation after the discussion on the President's Address is completed. He will come before the House and tell you how they are going to deal with the situation. ...(*Interruptions*)...

SHRI MD. SALIM: Sir, the Minister is not saying whether he will bring the Resolution before the House or not. We want to listen to that. ...(*Interruptions*)... The question is not whether or not. The question is when? When or whether? We want to know that. ...(*Interruptions*)...

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Mr. Chairman, Sir, the point I have raised has just not been clarified. It will have to

be clarified because this House has a responsibility. After the 18th of March, we are not meeting before April. Bihar's budget is to be passed. Is the Government contemplating a situaition where the Budget will be discussed and passed? Otherwise, there will be a constitutional crisis in Bihar, which none of us wants. But before that, they will have to bring the Proclamation. Therefore, it is incumbent on the Governmet that the first thing should be taken up first. The first thing is seeking the approval of the House for the Proclamation....(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Don't you want to listen to the hon. Member? He is an hon. Member of this House.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: If the House disapproves the Proclamation, there will be status quo ante. Parliament will have no jurisdiction to transact any financial business of the State of Bihar. I am just raising this issue before. the House. It requires a clarification. If the House approves the Proclamation, Parliament will be entitled to pass the Bihar budget, to transact the financial business. Unless these issues are clearly spelt out and adequate time is given to transact this business, I am afraid we will be deliberately leading Bihar to a first class constititutional crisis.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I want your ruling, Sir. I have understood what you have said. The Government has laid the Proclamation on the Table of the House. The Government has fulfilled its obligation. There is another obligation. A resolution has been prsented in the other House, but it is yet to be placed in this House. We are confronted with a peculiar situation. On the one hand, the deadlock pointed out by Mr. Pranab Mukherjee is there. On the other hand, is the Government free to run away from its obligation which we know it is there by not bringing the Resolution in this House? I want your ruling. Is the Government free?

MR. CHAIRMAN: Let me tell you. Yes, Mr. Chaturvedi.

SHRI T. N. CHATURVEDI (Uttar Pradesh): Sir, I have only two simple points to make. One is that a point of order always relates to the business in hand and not about what is going to be in future. The point of order that has been raised is about something non-existent. Number two is about what Mr. Pranab Mukherjee has mentioned. I want to draw the attention of the House to the fact that even the Business Advisory Committee has kept four hours for the discussion on the Resolution. ...(*Interruptions*)...

Why should it be deduced that it will not be taken up before the discussion on the budget of Bihar? It is already implied in this particular thing...

SHRI PRANAB MUKHERJEE: I want that assurance.

SHRI T. N. CHATURVEDI: ...when it says, "As and when."

SHRI MD. SALIM: That is the basic objection. In no other case has this been written. But in this case it has been written, "In the event of being taken up...."

CHAIRMAN: Let me tell you.

Let me hear Mr. Mitra.

SHRI JANARDHANA POOJARI: Sir, you have not given your ruling. There should be a discussion.

MR. CHAIRMAN: I have already given it. ...(*Interruptions*) I will tell you.

SHRI JANARDHANA POOJARI: When is it going to be taken up? You have to clear this confusion. You are the custodian. Since the confusion stands, you have to clear it. ...(*Interruptions*)

SHRI ASHOK MITRA (West Bengal): Let us discuss this issue having various constitutional implications.

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: सर, यह क्या है?

श्री सभापति: क्या किया जाए, फिर? ...(व्यवधान)...

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Sir, have you suspended the Question Hour?

MR. CHAIRMAN: No.

SHRI ASHOK MITRA: Sir, a hypothetical situation will arise when on the 8th of March, the Government will say that they have decided not to move the Resolution in the House, and yet they want to continue, as things are, till the 14th of May. What will happen between now and the 14th of May? The Union Government will have the President's Rule for which the Government has no sanction. This is a very serious Constitutional issue. This might well arise if the Government takes a particular decision on the 8th March, which they should not be taking.

MR. CHAIRMAN: That is all right. *(Interruptions)* Let me say ...*(Interruptions)* Don't create confusion.

SHRI S.R. BOMMAI: Let me complete, Sir. I was not allowed to complete.

SHRI T. N. CHATURVEDI: The Bommai judgment will always be incomplete! *(Interruptions)*

SHRI S. R. BOMMAI: Sir, in the Business Advisory Committee meeting, the hon.. Member, Shri Pranab Mukherjee, wanted to know the date so that we can keep our Members present in the House. At that time the hon. Minister for Parliamentary Affairs had said he would intimate the date at the beginning of the session. Now the intimation is, "in the event of it being taken up." That means, the Government itself is in doubt.

MR. CHAIRMAN: What is wrong about it?

SHRI S.R. BOMMAI: It is wong, Sir. *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Please, don't create more confusion.

SHRI S.R. BOMMAI: Let me make it clear. It is not enough that the Government has already fulfilled its obligation in placing the proclamation; the Supreme Court has ruled very clearly that it should be approved by both the Houses. The approval is pending and the approval will have to be taken. Until that, the continuance of the President's Rule, according to me is unconstitutional. *(Interruptions)*. Therefore, let this Government intimate us that they will take it up tomorrow or day after or immediately after the discussion on the Motion of Thanks on the President's Address.

MR. CHAIRAN: Have you made your point? Please take you seat.

SHRI S. R. BOMMAI: I will add only one more point, Sir. Let me complete.

श्री नरेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): सर, अशोक मित्र जी ने जो बात कही है, वह अपनी जगह सही नहीं है, दो महीने का समय है हमारे पास।

श्री सभापति: आप बोलिए बोम्मई जी।

SHRI S.R. BOMMAI: Sir, according to me it will be a breach of privilege.

श्री नरेन्द्र मोहन: सर, अब तो एक मिनट का समय दे दीजिए, जो बातें कही गई हैं उनका इस समय कोई औचित्य नहीं है।

श्री सभापति: वह मुझे मालूम है।

श्री नरेन्द्र मोहन: आपको मालूम है लेकिन हमारे साथियों को मालूम नहीं है। ...(व्यवधान)... सवाल यह है कि यह जो कह रहे हैं कि दो महीने ...(व्यवधान)...हमने कोई इन्कार तो नहीं किया है।

श्री सभापति: आप भी इनको जवाब दे रहे हैं। आप इनको जवाब क्यों दे रहे हैं? मैं दे रहा हूं जवाब। Hon. Members, the basic issue is this. It had come up earlier also in the House and my distinguished predecessor as Chairman of the Rajya Sabha on 4th November, 1986 had given his ruling and it is nearly the same as my ruling. He had said:

> "You are aware that if the Government does not want to have the proclamation approved, they need not move the Resolution. And if they do not move the Resolution, the proclamation lapses. Therefore, there is nothing for discussion. It is

only wnen the proclamation is continued that there is something for discussion in the House. When the Government is not coming fowrard with the proclaimation, and if it lapses, there will be nothing for discussion. It is for the Government to decide. We cannot force the Government to decide just now. It is their right to decide."

MR. CHAIRMAN: Anyway. Now, we take up question No. 121. *(Interruptions)*

SHRI MD. SALIM: Sir, we are not objecting to your ruling. We are asking the Government ...*(Interruptions)*

श्री नागमणि (बिहार): बिहार में दलितों की हत्या हो रही है ...**(व्यवधान)**

श्री सभापति: आप बैठिए ...**(व्यवधान)** आप बैठिए ...**(व्यवधान)** जब मैं खड़ा हूं तो आप बैठिए ...**(व्यवधान)** देखिए, जहां तक यह सवाल उन्होंने उठाया है, अभी हमारे आनरेबल मेम्बर ने यह सवाल उठाया कि दलितों की हत्या हो रही है, इस सवाल के बारे में यहां पर मेंशन हो सकता है ऑफ्टर टेकिंग परमीशन। मैं भी आपके साथ वैसे ही दुखी हूं जैसे आप दुखी है लेकिन उस चीज को इसके साथ मत जोड़िए ...**(व्यवधान)**

श्री रामदेव भैडारी: लेकिन यह मामला राष्ट्रपति शासन से जुड़ा हुआ है ...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Are you refuting me? I am considering this issue of deaths which have taken place. This can be taken up separately. I will give you time for taking it up because it is happening during President's rule. You have a right to say. So, please don't mix up the two things. By interrupting, you are weakening your own case. Let us understand. They have their own case, on which they are correct. If you want to raise this issue of atrocities against Dalits, what has happened yesterday, we can discuss it after 5 o'clock. But I can tell you.

मेरी बात सुनिए ...(व्यवधान) Please sit down. Please sit down.

श्रीमती सरोज दुबे (बिहार): आर०एस०एस० बिहार में राज्य करना चाहती है ...**(व्यवधान)**

श्री सभापति: फिर क्यों बोले जा रहे हैं ...**(व्यवधान)** आपने मेरी बात सुनी है, मैंने क्या कहा है? आपने मेरी बात सुनी है, मैंने क्या कहा है? मैंने कहा है जो आप कह रहे हैं, ठीक है, यह डिस्कस होना चाहिए क्योंकि वहां प्रेजीडेंट रुल है, वहां पर हत्याएं हो रही हैं। डिस्कस हो सकता है यहां पर जो प्रेजीडेंट रुल में हो रहा है लेकिन वह अलग डिस्कस होना चाहिए। यह जो सरकार अपना काम कर रही है, उस सरकार ने काम करने में अभी कोई कोताही नहीं की है। अगर कोताही की होगी तो मैं उनको बताऊंगा कि कोताही की है लेकिन न उनको कोताही करनी चाहिए, न आपको कोताही करनी चाहिए। क्वश्चिन-आवर को बंद न होने देना, यह आपकी-हमारी कॉमन ड्यूटी है, उसमें हम कोताही कर रहे हैं। इसलिए अच्छा होगा कि हम और आनरेबल मेंबर्स सब बैठकर जो क्वश्चिन-आवर के बाकी 15 मिनट हैं, उसे पूरा करें और यह जो बात आप उठाना चाहते हैं, आप नोटिस दीजिए, मैं आपको इज़ाजत दूंगा।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी: बिहार के मसले पर फौरन बहस होनी चाहिए ...**(व्यवधान)**

†مولانا عبید اللہ خاں اعظمی: بہار کا مسئلہ پر فوراً بحث ہونی چاہیئے ...مداخلت†

श्री ईश दत्त यादव: हम जानना चाहते हैं कि सरकार क्या कर रही है? सरकार बताए कि वह बिल इस हाऊस में लाएंगे, नहीं लाएंगे, कब ले आएंगे, यह हम जानना चाहते हैं।

श्री सभापति: मेरी बात सुनिए ...**(व्यवधान)** ईश दत्त यादव जी, देखिए ...**(व्यवधान)** इसका मतलब यह है कि ...**(व्यवधान)** आनरेबल मेंबर्स, न जो मैं कहता हूं, वह आप सुनते हैं, न जो वह कहते हैं, उसे आप सुनते हैं। आप अपनी बात कहना चाहते हैं ...**(व्यवधान)** अगर आप चाहते हैं कि ...**(व्यवधान)** देखिए, मेरी बात सुनिए ...**(व्यवधान)**

श्रीमती सरोज दुबे: इस समय देश के सामने सबसे बड़ा सवाल बिहार का है ...**(व्यवधान)**

SHRI MD. SALIM: Governance itself is a big problem in Bihar. The

†[ ]Transilteration in Arabic Script

Government is encouraging lawlessness. ..*(Interruptions)*...

श्रीमती सरोज दुबे: यह जो 50,000 की फोर्स गई है, वह लोगों को, महिलाओं को तंग कर रही है। वहां लोगों की निर्मम हत्या करके घुमाया गया। ...**(व्यवधान)**

श्री नागमणि: जो बिहार के दलित है उनकी हत्या हो रही है। ...**(व्यवधान)** भारत के संविधान की हत्या हो रही है। ...**(व्यवधान)**

श्री सभापति: देखिए, जब मेम्बर एक दूसरे की बात न सुने और न समझने की कोशिश करे तो यह हाऊस चल नहीं सकता। ...**(व्यवधान)** देखिए, मेरी बात सुनिए। कुमारमंगलम जी ने अपनी सारी बात कह दी और उन्होंने कहा कि आठ तारीख को यह बताएंगे कि क्या करना है। इसके बाद मैं सरकार को फोर्स नहीं कर सकता। ...**(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद सलीम: सर, सवाल यह नहीं था...**(व्यवधान)** सरकार की जिम्मेदारी है कि वह यह बताए कि उसे कब लाएंगे। ...**(व्यवधान)** सवाल यह है कि हाऊस चल रहा है और वह बाहर कह रहे हैं कि लाएंगे या नहीं। ...**(व्यवधान)**

†श्री मोहम्मद सलीम: सर, सवाल यह नहीं था ... "मदाखलत" ... सरकार की ज़िम्मेदारी है कि वह यह बताए कि उसे कब लाएंगे .... "मदाखलत" ... सवाल यह है कि हाऊस चल रहा है और वह बाहर कह रहे हैं कि लाएंगे या नहीं ... "मदाखलत" ... आ

श्री रामदेव भंडारी: सरकार यह मामला राज्य सभा में लाने से बच रही है...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record except. Question Hour. *(Interruptions)*. Now, Question No. 121. *(Interruptions)*.

SHRIMATI SAROJ DUBEY:*

SHRI NAGMANI:*

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned till 12 o'clock.

†[ ]Transilteration in Arabic Script

The House then adjourned at forty-seven minutes past eleven of the clock.

12.00 NOON

The House reassembled at twelve of the clock, **Mr. Chairman** in the Chair.

श्री मोहम्मद आज़म खान: सभापति महोदय, निवेदन यह है कि जो आपने कहा कि सदन में ...**(व्यवधान)**...

SHRI MD. SALIM: Sir, I am on a point of order.

(Interruptions)

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Agricultural University in Cachar, Assam

*121. SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is one Agricultural Training Centre functioning in Cachar District of Assam since long;

(b) whether there is any proposal to set up an Agricultural University in Cachar District; and

(c) if so, whether there is enough scope to upgrade the present Agricultural Training Centre to the status of an Agricultural University as it will cater to the needs of the Southern part of Assam?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) Yes, Sir. there is one Agricultural Training Centre in the form of Upgraded Gram Sevak Training Centre located at Arunachal near Silchar in Cachar District and functioning since its establishment in 1952-53.

(b) No, sir. There is no proposal to set up an Agricultural University in Cachar District.

(c) Agricultural education is a State subject and therefore scope for establishing Agricultural University or upgradation of existing facilities into full-fledged institution has to be ascertained